तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
7/5/26	पत्रा० पेश हुआ प्रार्थी कबीत 2401 मूल वाद में प्राथमिक डिक्री जारी किये जाने बाबत सहमति प्रदान की गई। वादी अधिवक्ता की बहस सुनी गई। वादी अधिवक्ता ने उभयपक्षकारान को मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक पाबंद कराने का निवेदन किया गया। बहस पर मनन एवं पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि खाता 53 का है। एवं P.D. जारी करने की सहमति भी दी जा चुकी है। ऐसे में मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक उभयपक्षकारान को विवादित आराजीयात पर मौका व राजस्व रिकार्ड की स्थिति यथावत रखने बाबत पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः पाबंद किया जाता है। एवं पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बरान से कम हो। पत्रावली मूल वाद के साथ संलग्न रहेगी।